पेंशन-ग्रेच्युटी को लेकर शिक्षकों का बड़ा आंदोलन

2018 कैडर विवाद, नए शिक्षा सेवा कैडर से पेंशन प्रभावित

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 2 जनवरी. राजधानी के अम्बेडकर पार्क में शुक्रवार को आजाद शिक्षक अध्यापक मप्र के बैनर तले हजारों शिक्षकों द्वारा विशाल प्रदर्शन किया गया.

प्रदर्शन में प्रदेश भर के जिलों से बड़ी संख्या में 1998 से कार्यरत शिक्षक नया शिक्षा सेवा कैडर के तहत पेंशन और ग्रेच्युटी के नियमों का विरोध करते नजर आए. बता दें कि राज्य सरकार ने 2018 में नया शिक्षा सेवा कैडर बनाया, जिससे कई पुराने शिक्षकों की वरिष्ठता (सेवा अवधि) 2018 से मानी जाने लगी, जिससे उन्हें 20-25 साल की सेवा पूरी करने में दिक्कत हो रही है और उन्हें मिलने वाली पेंशन के लाभ अर्थात 50% वेतन पर असर पड़ रहा है.

शिक्षक आशीष विशेन जिला अध्यक्ष ने बताया कि यहां आये शिक्षकों की नियुक्ति 1998, 2001, 2003 जैसे समय से है लेकिन शिक्षा विभाग ने एक नया संवर्ग बनाकर हमारी नियुक्ति 2018 से मान्य कर दी है. इस कारण सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों को शासन के दवरा जो लाभ प्राप्त होते हैं जैसे पेंशन और ग्रेज्युटी, इन सभी का निर्धारण कितने समय तक सर्विस दी गई है उस पर निर्भर करता है. लेकिन उनकी ग्रेज्युटी का समय 2018 से जोड़ा जा रहा है. इसके अतिरिक्त अर्जित अवकाश के नियम में भी 2018 के पहले हमारी इकट्ठा की गई छुट्टियां नहीं मानी जा रही हैं. जो कि शिक्षकों के साथ अन्याय है. प्रदर्शन में शामिल प्रांत अध्यक्ष भरत पटेल ने कहा 2018 के बाद नियुक्त या कैडर परिवर्तन से प्रभावित शिक्षकों के लिए पेंशन और ग्रेच्युटी के नियम सेवा अवधि की गणना पर आधारित हैं, और इसमें एक विसंगति है जो उनकी सेवा अवधि को कम करती है, जिससे पेंशन लाभ प्रभावित हो रहे हैं.

पेंशन और ग्रेच्युटी पर असर

पेंशन और ग्रेच्युटी के लिए 25 साल की सेवा पूरी करना महत्वपूर्ण होता है, विशेषकर नई पेंशन स्कीम (एनपीएस) के तहत या पुरानी पेंशन के लाभ के लिए. कम सेवा अवधि होने से शिक्षक 25 साल पूरे करने से पहले रिटायर हो सकते हैं और उन्हें इन योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पाएगा.

शिक्षकों की मांग

शिक्षक संगठन चाहते हैं कि 1998 या 2003 से वरिष्ठता मानी जाए ताकि सेवा अवधि पूरी हो सके और उन्हें पूरा लाभ मिले, क्योंकि ग्रेच्युटी और पेंशन के लिए वरिष्ठता 2018 से मानी जा रही है, जिससे नुकसान हो रहा है.

एक नजर में

नववर्ष पर एमपी पुलिस का भरोसे का संकल्प

भोपाल. नववर्ष 2026 के शुभारंभ के साथ ही मध्यप्रदेश पुलिस ने यह स्पष्ट किया है कि नागरिकों की सुरक्षा, सुविधा और विश्वास उसकी प्राथमिकताओं में सर्वोपरि है. प्रदेश के विभिन्न जिलों में गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उन्हें उनके वास्तविक धारकों को लौटाने की यह कार्रवाई न केवल संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण को दर्शाती है, बल्कि यह भी सिद्ध करती है कि आधुनिक तकनीक के साथ मानवीय संवेदनशीलता को जोड़कर पुलिस आमजन की समस्याओं का समाधान कर रही है.

बिल्डरों के साथ मिलकर काम करेगा श्रम विभाग

भोपाल. श्रम विभाग निर्माण स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में एक और पहल करने जा रहा है. 'सेफ्टी प्रोटोकॉल' को बेहतर बनाने के लिए श्रम विभाग ने अब प्राइवेट बिल्डरों को भी तकनीकी मदद देने की पहल की है. म.प्र. श्रम विभाग के सचिव रघुराज राजेंद्रन ने कहा कि 'नये श्रम कानून' में सोशल सिक्योरिटी कोड के तहत हर श्रमिक की सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित किया गया है. निर्माण स्थल चाहे वो सरकारी हो या प्राइवेट; श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता और सबसे बड़ा कर्तव्य होना चाहिए.

घर में मिली होटल के वेटर की लाश

भोपाल. शहर के अरेरा हिल्स थाना इलाके में रहने वाले 21 वर्षीय युवक का शव उसके ही घर में संदिग्ध हालत में मिलने की घटना सामने आई है. वहीं परिजनों का कहना है, कि मृतक के मुंह से झाग निकल रहा था, और उन्होंने उसकी हत्या की आशंका जताई है. वहीं, पुलिस फिलहाल मामले को संदिग्ध मानते हुए मर्ग कायम कर आगे की जांच में जुटी है. पुलिस का कहना है की पीएम रिपोर्ट मिलने पर ही मौत का सही कारण साफ हो सकेगा जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की दिशा तय की जाएगी.

कॉलेजों में युवक रेडक्रॉस गतिविधियां अनिवार्य

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 2 जनवरी. प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में युवक रेडक्रॉस की गतिविधियों को नियमित और प्रभावी रूप से संचालित करना अनिवार्य कर दिया गया है.

उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में समस्त शासकीय और अशासकीय शैक्षणिक संस्थानों को निर्देश जारी किए हैं. जारी निर्देशों में कहा गया है कि युवक रेडक्रॉस का उद्देश्य विद्यार्थियों में मानवीय मूल्य, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व, आपदा के समय तत्परता और सेवा भावना का विकास करना है. इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सभी राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों और शासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालयों में युवक रेडक्रॉस इकाइयों का संचालन किया जाना आवश्यक है. प्रदेश में युवक रेडक्रॉस की गतिविधियों के अंतर्गत सभी शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थी सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं. स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए प्रति माह 3 रुपये और स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों के लिए प्रति माह 5 रुपये सदस्यता शुल्क निर्धारित किया गया है.

मप्र उच्च शिक्षा विभाग

समाज और प्रदेश के लिए लाभ

- रक्तदान जागरुकता व शिविरों में बढ़ोतरी
- आपदा के समय प्रशिक्षित युवा शक्ति उपलब्ध
- स्वास्थ्य, स्वच्छता और आपात सहायता में सहयोग बढ़ेगा
- ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सामाजिक जुड़ाव मजबूत होगा छात्रों के लिए लाभ
- मानवीय सेवा की भावना का विकास आपदा प्रबंधन व प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण
- सामाजिक कार्य, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में अवसर

ज्वेलर्स की दुकान से दिनदहाड़े चोरी किए जेवरात

भोपाल, 02 जनवरी. राजधानी के सर्राफा बाजार में एक दुकान से दिनदहाड़े चोरी का मामला सामने आया है, जो कि पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है. चोरी को 10 दिन बीत चुके हैं, सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस के पास है.

आरोपी महिला की पहचान भी हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है. पीड़ित दुकानदार का आरोप है कि कोतवाली पुलिस चोर पकड़ने के बजाय मामले को दबाने और समझौते की कोशिश में जुटी है. दुकानदार का यह भी कहना है कि थाने के चक्कर काटते-काटते 10 दिन निकल गए, लेकिन हर बार जांच का हवाला देकर उसे लौटा दिया गया. इस पूरे मामले ने राजधानी में यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या अपराध के आंकड़े कम दिखाने के लिए एफआईआर दर्ज करने से बचा जा रहा है. यह मामला 24 दिसंबर का है, जब चौक बाजार स्थित ज्वेलर्स की दुकान पर एक महिला ग्राहक बनकर पहुंची. दुकान संचालक कासिम के मुताबिक महिला ने चांदी की पायल देखने के बहाने बातचीत शुरू की. इसके बाद उसने गले की चेन, नाक की लॉन्ग और मोती की अंगूठी भी दिखाने को कहा. महिला जिस-जिस ज्वेलरी को देखने की बात करती, दुकानदार और कर्मचारी उसे काउंटर पर रखते जाते.

इसी भीड़ और ध्यान भटकाने के बीच महिला ने एक-एक कर कई जेवरात अपने दुपट्टे के पीछे छुपा लिए और बिना खरीदी किए दुकान से निकल गई. महिला के जाने के बाद जब दुकान में ज्वेलरी का मिलान किया गया, तो एक अंगूठी, एक चेन, एक पायल और एक लॉन्ग गायब मिली. इसके बाद दुकानदार ने तुरंत दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की. फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि महिला किस तरह बड़ी सफाई से ज्वेलरी को उठाकर अपने दुपट्टे में छुपा रही है. दुकानदार का कहना है कि चोरी पूरी तरह कैमरे में रिकॉर्ड है और इसमें किसी तरह का कोई संदेह नहीं है. इसके बावजूद पुलिस की ओर से कार्रवाई न होना बेहद हैरान करने वाला है. कासिम का आरोप है कि चोरी का पता चलते ही वह उसी दिन सीसीटीवी फुटेज और लिखित आवेदन लेकर कोतवाली थाने पहुंचे.

कटारा मेन रोड और सर्वधर्म कॉलोनी से हटाया अतिक्रमण

भोपाल, 02 जनवरी. नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई निरंतर जारी है.

इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने सीएम हेल्प लाइन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ठेले, गुमठी, पान पार्लर, काउंटर, बोर्ड, फुटपाथ एवं अन्य स्थानों पर लगी सब्जी आदि की दुकानों व दुकानों के बाहर रखा सामान तथा खंभों पर लगे कटआउट व आवागमन में बाधक वाहनों को हटवाया और ठेले, टेबिल, कैरेड, काउंटर, लोहे की चैन, पन्नी, बाल्टी, बोर्ड, टब आदि सहित अन्य प्रकार का सामान जब्त किया. निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने शुक्रवार को कटारा मेन रोड, कोलार डीमार्ट, सर्वधर्म कॉलोनी, ललिता नगर, बावड़िया मेन रोड, इण्डस कालोनी, आदर्श नगर, लहारपुर, केम्पियन स्कूल शाहपुरा, अरेरा कॉलोनी, 10 नम्बर स्टॉप, श्यामला हिल्स हिंदी भवन, जहांगीराबाद लिली टॉकीज, भारत टाकीज, लिली टॉकीज, प्रभात चौराहा, अशोका गार्डन परिक्रमा पार्क, अशोका गार्डन, एकता नगर प्रभात पुल, बोगदापुल, बाग फरहत अफजा, बरखेड़ी फाटक, तलैया, सिंधी कालोनी, कबाड़खाना, भोपाल टॉकीज, नादरा बस स्टैंड, अल्पना तिराहा, रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म नं0-6, करोंद चौराहा, पीपल चौराहा आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में ठेले, गुमठी, पान पार्लर, काउंटर, बोर्ड, फुटपाथ व अन्य स्थानों पर लगी सब्जी आदि की दुकानों व दुकानों के बाहर रखा सामान तथा खंभों पर लगे कटआउट व आवागमन में बाधक वाहनों को हटवाया और 8 ठेले, 9 टेबिल, 7 कैरेड, 1 काउंटर, 1 लोहे की चैन, 1 पन्नी, 28 बाल्टी, 02 बोर्ड, 31 टब आदि सहित अन्य प्रकार का सामान जब्त किया.

राजू ईरानी सहित गैंग के 5 गुर्गों की तलाश

6 राज्यों की पुलिस ने भोपाल में डाला डेरा

- अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाने की तैयारी
- मास्टरमांइड की संपत्ति होगी कुर्क

भोपाल. राजधानी के तीन थाना क्षेत्रों में ईरानी डेरे के बदमाशों ने मोबाइल फोन की झपटमारी की थी. आरोपियों के पकड़े जाने के बाद इसका खुलासा होने पर पुलिस ने केस दर्ज किया.

वहीं पुलिस को राजू ईरानी, सालिक ईरानी, गुलाब ईरानी और सबदर की तलाश है. यह सभी पुलिस की कार्रवाई के बाद से फरार हैं.

टीटी नगर पुलिस के अनुसार गणेश दोहरे नाम का युवक निजी कंपनी में काम करता है. बीती 25 दिसंबर को वह डिपो चौराहे के पास से पैदल जा रहा था. इसी दौरान अज्ञात बाइक सवार युवक उसके नजदीक आया और तेजी से उसके हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल झपटकर चपंत हो गया. पुलिस ने इस मामले में शिकायत मिलने पर प्रकरण दर्ज किया. छानबीन में सामने आया है की मोबाइल झपटमारी का आरोपी ईरानी डेरा गैंग का सदस्य है. पिछले दिनों दी गई दबिश में उसे दबोचा गया था.

सभी राज्यों के पनाहगारों का डाटाबेस हो रहा तैयार

बीते दिनों की गई कार्रवाई के बाद सामने आया की ईरानी डेरा लंबे समय से हिस्ट्रीशीटर और संगठित अपराधियों का सुरक्षित ठिकाना बना हुआ था. ईरानी डेरा अमन कॉलोनी के सरगना माने जाने वाले राजू ईरानी और उसके गिरोह के पांच गुर्गों की तलाश में 6 राज्यों की पुलिस ने भोपाल में डेरा डाल रखा है.

तेज रफ्तार जेसीबी की टक्कर से युवक की मौत, दो हुए घायल

भोपाल, 02 जनवरी. सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार जेसीबी ने बाइक पर सवार तीन दोस्तों को जोरदार टक्कर मार दी.

इस हादसे में बाइक चला रहा युवक मौके पर ही जान गंवा बैठा, जबकि उसके दोनों साथी दूर जाकर गिरने से हल्की चोटें आईं और बाल-बाल बच गए. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. थाना पुलिस के अनुसार, इमलिया कॉलोनी निवासी अभिषेक कुशवाह (पिता रामकिशन कुशवाह) मजदूरी का काम करता था और अपने छह भाइयों में दूसरे नंबर पर था. गुरुवार रात वह अपने दोस्तों राजा और भोला के साथ बाइक पर सब्जी खरीदने निकला था. इमलिया हाईवे पर पहुंचते ही सामने से आ रही जेसीबी ने लापरवाही से चलाते हुए उनकी बाइक को जोरदार धक्का दे दिया. टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक चालक अभिषेक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दोनों दोस्त जोरदार झटके से दूर जा गिरे और मामूली रूप से घायल हो गए.

कोलार में दो पक्षों में हुआ खूनी संघर्ष

भोपाल. कोलार के ओम नगर में दो पक्षों में वर्चस्व को लेकर खूनी संघर्ष हुआ. मौके पर तीन दर्जन से ज्यादा लोग आपस में भिड़ गए. हिस्ट्रीशीटर बदमाश जीतू यादव ने खुद की जान बचाने के लिए हवाई फायर किए. इस दौरान कई गंभीर रूप से घायल हुए और गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई. मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा. बता दें कि हिस्ट्रीशीटर बदमाश अवैध गैस रिफिलिंग का कोराबार करता है. इसी के साथ उसके जुए के अड्डे भी चलते हैं.

मप्र को मिलेंगे 194 नए आयुष डॉक्टर

25 हजार की भारी लेट फीस से नाराज अभ्यर्थी

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 02 जनवरी. नए साल में मध्यप्रदेश के सरकारी स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती मिलने वाली है. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के जरिए प्रदेश को 194 नए आयुष मेडिकल ऑफिसर मिलेंगे.

इसमें आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी पद्धति के डॉक्टरों की नियुक्ति की जाएगी. लंबे समय से सरकारी नौकरी का इंतजार कर रहे आयुष चिकित्सकों के लिए यह बड़ी राहत मानी जा रही है. लोक सेवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापनों के अनुसार आयुर्वेद मेडिकल ऑफिसर के 130 पद, होम्योपैथी मेडिकल ऑफिसर के 34 पद और यूनानी मेडिकल ऑफिसर के 30 पद भरे जाएंगे. तीनों संवर्गों के लिए अलग अलग विज्ञापन जारी किए गए हैं, लेकिन आवेदन और परीक्षा का शेड्यूल एक जैसा रखा गया है. आवेदन प्रक्रिया में लेट फीस को लेकर अभ्यर्थियों में नाराजगी भी देखी जा रही है. सामान्य विलंब शुल्क के साथ 13 से 19 अप्रैल तक आवेदन किया जा सकेगा, जिसके लिए तीन हजार रुपये शुल्क तय किया गया है. वहीं विशेष विलंब की स्थिति में 20 अप्रैल से 13 मई 2026 तक आवेदन की अनुमति दी गई है.

30 हजार चिकित्सक कर रहे बेरोजगारी का सामना

प्रदेश में इस समय 30 हजार से अधिक आयुष चिकित्सक बेरोजगार हैं. प्रदेश के 63 आयुष कॉलेजों से हर साल करीब साढ़े चार हजार डॉक्टर डिग्री लेकर निकलते हैं. ऐसे में सीमित पद और अधिक लेट फीस को लेकर अभ्यर्थियों में नाराजगी है. भर्ती से जुड़ी जानकारी लोक सेवा आयोग इंदौर की वेबसाइट पर उपलब्ध है.

इनका कहना है

प्रदेश को 194 नए आयुष डॉक्टर मिलना जनस्वास्थ्य के लिए अच्छा कदम है. इससे आम लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी, लेकिन 25 हजार रुपये की लेट फीस बहुत अधिक है, इसे कम किया जाना चाहिए.

- डॉ राकेश पाण्डेय, राष्ट्रीय प्रवक्ता, आयुष मेडिकल एसोसिएशन

सफलता कुल 581 करोड़ रुपये की ठगी की राशि में से 137 करोड़ रुपये किए गए फ्रीज

मप्र पुलिस ने सायबर धोखाधड़ी की राशि की फ्रीज

विशेष संवाददाता

भोपाल, 02 जनवरी. मध्यप्रदेश ने सायबर वित्तीय धोखाधड़ी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए वर्ष 2025 में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है.

पुलिस आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 के दौरान सायबर वित्तीय फ्रॉड से संबंधित कुल 55,659 शिकायतें प्राप्त हुईं. इन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कुल 581 करोड़ रुपये की ठगी की राशि में से 137 करोड़ रुपये से अधिक की रकम को होल्ड/फ्रीज कराने में सफलता हासिल की. इसके मुकाबले वर्ष 2024 में 58 हजार 643 शिकायतें दर्ज की गई थीं, जिनमें से केवल लगभग 47 करोड़ रुपये ही होल्ड किए जा सके थे. निरंतर प्रयासों और बेहतर समन्वय के चलते मध्यप्रदेश ने वर्ष 2024 में देश में 22वें स्थान से छलांग लगाते हुए अब सायबर फ्रॉड की राशि फ्रीज करने के मामले में हरियाणा, त्रिपुरा, गुजरात, दिल्ली और राजस्थान के बाद छठा स्थान प्राप्त किया है.

यह उपलब्धि राज्य सायबर पुलिस और जिला पुलिस इकाइयों द्वारा उठाए गए कई ठोस कदमों का परिणाम है. वर्ष 2017 से 2025 के बीच 26,200 से अधिक ऑनलाइन व ऑफलाइन सायबर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे 21 करोड़ से अधिक नागरिकों को जागरूक किया गया. सेफ क्लिक सायबर जागरुकता अभियान और अक्टूबर 2025 में आयोजित राष्ट्रीय सायबर सुरक्षा जागरुकता माह ने भी जनभागीदारी को व्यापक बनाया. इसके अलावा, सायबर हेल्पलाइन 1930 के उन्नयन, राज्य सायबर वित्तीय प्रबंधन प्रकोष्ठ के गठन, नई दिल्ली स्थित सायबर फ्रॉड मिटीगेशन सेंटर में अधिकारियों की तैनाती तथा जिला सायबर टास्क फोर्स के गठन जैसे संस्थागत उपाय किए गए.

ऑपरेशन नयन, ऑपरेशन फास्ट और ऑपरेशन मैट्रिक्स जैसे अभियानों के तहत सायबर अपराधियों, म्यूल अकाउंट धारकों और फर्जी सिम नेटवर्क के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की गई। इन संयुक्त प्रयासों से यह स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश सायबर अपराधों पर नियंत्रण और नागरिकों के वित्तीय हितों की सुरक्षा के लिए अपनी क्षमता लगातार मजबूत कर रहा है।

पत्नी-बच्चों के साथ लौट रहे युवक को ट्रक ने रौंदा, मौत

भोपाल. खजूरी सड़क इलाके में नए साल के पहले दिन मनुआभान की टेकरी से घूमने के बाद पत्नी और बच्चो के साथ वापस घर लौट रहे युवक को पत्नी और बच्चों के सामने ट्रक ने रौंद दिया. जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई.

मर्ग कायम कर पुलिस ने आगे की जांच शुरू कर दी है. थाना पुलिस के अनुसार धन सिंह परते पुत्र रंगलाल परते (36) सीहोर में रहता था. बीती सुबह वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ मनुआभान की टेकरी नए साल पर घूमने के लिए आया था. उसके साथ उसका परिचित अनुज मरावी भी था.

भोपाल में जल संकट की आशंका

विशेष संवाददाता

भोपाल, 2 जनवरी. कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता अभिनव बरोलिया ने शुक्रवार को नगर प्रशासन की गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करते हुए कहा कि राजभवन और मुख्यमंत्री निवास के बीच एक स्थान पर बाणगंगा बस्ती क्षेत्र का सीवेज पानी पेयजल आपूर्ति लाइन में मिल रहा है.

बरोलिया ने बताया कि मौके पर स्थिति स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है, जहां पानी की पाइपलाइन में रिसाव है और वह सीवेज लाइन में आधी डूबी हुई है. आपूर्ति लाइन का दबाव इतना अधिक है कि पानी तेजी से बाहर निकल रहा है, जिससे बड़े स्तर पर जल प्रदूषण की आशंका पैदा हो गई है. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो भोपाल के नागरिकों को भी वही हालात झेलने पड़ सकते हैं, जिनका सामना आज इंदौर के लोग दूषित पानी के कारण कर रहे हैं. कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रशासनिक उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि नगर निगम आयुक्त को कई बार फोन किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की, जो गंभीर जनस्वास्थ्य संकट के प्रति लापरवाही को दर्शाता है.